

पाठ : भीष्म शर-शय्या पर

पूर्व ज्ञान/ विषय वस्तु पाठ्येतर विषय वस्तु	अधिगम उद्देश्य	
	सामान्य	विशिष्ट
पूर्व ज्ञान: अंबा पूर्वज्ञान संबन्धित प्रश्न- परिशिष्टसंख्या-31अ/१ विषय वस्तु- भीष्म शर-शय्या पर उपविषय वस्तु :- अ)वर्णनात्मकता आ) नैतिक मूल्यों की महत्ता इ) समीक्षात्मकता ई) व्याकरणिक जागरूकता पाठ्येतर विषय वस्तु *वर्णनात्मक लेखन *मूल्यांकन *समीक्षात्मक लेखन	विद्यार्थी अ) वर्णनात्मकता के महत्व को समझ कर परिस्थितियों की समीक्षा कर सकेंगे। आ) नैतिक मूल्यों की महत्ता से परिचित हो सकेंगे। इ) समीक्षात्मकता के महत्व को समझ कर परिस्थितियों की समीक्षा कर सकेंगे। ई) विशेषण-विशेष्य की दृष्टि से व्याकरणिक जागरूकता ला सकेंगे।	विद्यार्थी अ) भीष्म पितामह के युद्धक्षेत्र में शर-शय्या तक पहुंचने का वर्णन लिख सकेंगे। आ) नैतिक मूल्यों के महत्व को समझ कर भीष्म पितामह के चरित्र के नैतिक मूल्यों को लिख सकेंगे। इ) यदि आप भीष्म, अर्जुन और शिखण्डी के स्थान पर होते तो क्या करते? इस प्रश्न से स्वयं की समीक्षा कर सकेंगे। ई) 1. पाठ के चयनित अंश से विशेषण छाँट कर उनके विशेष्य लिख सकेंगे। ई) 2. कथा के मुख्य पात्रों के विशेषण लिख सकेंगे। ई) 3. स्वयं का मूल्यांकन भी कर सकेंगे।

गृहकार्य:- पाठ से संबन्धित प्रश्न

क्रियाविधि:- पाठ के चयनित अंश से विशेषण शब्द छाँट कर उनके विशेष्य को लिखना और कक्षा में सुनाना।

कक्षा :- सात

अध्यापिका की गतिविधि	विद्यार्थियों की गतिविधि	पाठ पढ़ने के बाद अध्यापिका का मंतव्य तथा निराकरण
पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्न पूछेंगी:-परिशिष्टसंख्या :-31अ/१	पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्नों के उत्तर देंगे:- परिशिष्टसंख्या :-31आ/१	*पाठ पढ़ाने के बाद लिखा जाएगा
काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि :- परिशिष्टसंख्या :-31अ/२	काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि में भाग लेंगे । परिशिष्टसंख्या :-31आ/२	
अध्यापिका के निर्देशन में विद्यार्थी उचित विरामचिन्ह के साथ शुद्ध उच्चारण का ध्यान रखते हुए पाठ पढ़ेंगे ।	विद्यार्थी उचित विरामचिन्ह के साथ शुद्ध उच्चारण का ध्यान रखते हुए पाठ पढ़ेंगे ।	
अध्यापिका के निर्देशन में विद्यार्थी अध्यापिका द्वारा निर्धारित अंश के व्याख्या का प्रयास करेंगे ।	विद्यार्थी निर्धारित अंशों की व्याख्या करेंगे ।	
अध्यापिका के निर्देशन में पाठ के अर्थ को आत्मसात् कर पाठ के अंत में दिये प्रश्नों के उत्तर देने का प्रयास करेंगे।	विद्यार्थी पाठ के अंत में दिये प्रश्नों के उत्तर देंगे।	
क्रियाकलाप हेतु क्रियाविधि :- परिशिष्टसंख्या :-31अ /3	अपनी गतिविधियों में भाग लेंगे। परिशिष्टसंख्या :-31आ/3	
अभ्यास हेतु कार्यपत्र :- परिशिष्टसंख्या :-31अ /4	अभ्यास हेतु दिये गए कार्यपत्र को पूर्ण करेंगे। परिशिष्टसंख्या :-31आ/4	

सहायक सामाग्री :- पाठ्य-पुस्तक ,स्मार्ट बोर्ड एवं संलग्न प्रपत्र १ कार्यपत्र ,२ क्रियाकलाप का विवरण

विधि:- १. पठन-पाठनविधि,२. उदाहरण विधि,३. काठिन्य निवारण विधि, ४. व्याख्या विधि ५.व्यास विधि

अन्तःविषय संबंध :- नैतिकता, कर्तव्य बोध,राजनीति, सामाजिक ज्ञान, इतिहास, मनोवैज्ञानिकता ।

विद्यालय भवन :- विद्यालय के पुस्तकालय में जाकर आदर्श व्यक्तित्व जैसे :- गांधी जी से जुड़ी पुस्तक पढ़ेंगे।

परिशिष्टसंख्या:-31

1.पूर्व ज्ञान से संबन्धित प्रश्न -परिशिष्टसंख्या -31अ/1

प्रश्न.1 शिखंडी कौन था ?

संभावित उत्तर

वह एक लड़की (अंबा) थी पर तपस्या करके पुरुष बन गया ।

प्रश्न.2 उसकी भीष्म से क्या शत्रुता थी?

वह राजकुमारी अंबा थी जिसका जीवन भीष्म कारण नष्ट हो गया था ।

प्रश्न.3- तो क्या शिखंडी भीष्म से अपना बदला ले सका ?

पता नहीं

कथन:-तो आइए 'भीष्म शर-शय्या पर' पाठ को पढ़ कर शिखंडी के बदले के बारे में जानते हैं।

2.काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि :- परिशिष्टसंख्या -31अ/2

*कक्षा को चार समूहों में विभाजित किया जाएगा।

*प्रत्येक समूह एक A 4 शीट पर निर्धारित अंश से कठिन शब्दों को लिखेगा ।

*समूह आपस में अदलाबदली कर अर्थ लिखने का प्रयास करेंगे।

*अध्यापिका उत्तर की पुष्टि कर विद्यार्थियों को उत्तर पुस्तिका पर अर्थ लिखने का निर्देश देंगी ।

3.क्रियाकलाप हेतु क्रिया विधि:- परिशिष्टसंख्या -31अ/3

*अध्यापिका द्वारा विद्यार्थियों को पाँच -पाँच के समूह में विभाजित किया जाएगा ।

*प्रत्येक समूह को 'भीष्म शर-शय्या पर' पाठ पढ़कर अध्यापिका उसमें से एक एक अंश को चुनने का निर्देश देंगी ।

*तत्पश्चात् चयनित अंश से पाँच-पाँच विशेषण और उसके विशेष्य को चुनकर लिखने और मूल्यांकन हेतु देने का निर्देश देंगी ।

*अध्यापिका कार्यपत्र करने के लिए देंगी ।

*अंत में अध्यापिका लिखित प्रस्तुति का निर्धारित प्रारूप के आधार पर मूल्यांकन करेंगी ।

*मूल्यांकन के मानदंड:-

क्रम संख्या	मूल्यांकन के क्षेत्र	अंक-10
1	विषय की प्रस्तुति	3
2	प्रभावोत्पादकता	3
3	भाषा का स्तर एवं शुद्धता	2
4	कार्य की पूर्णता	1
5	समयबद्धता	1

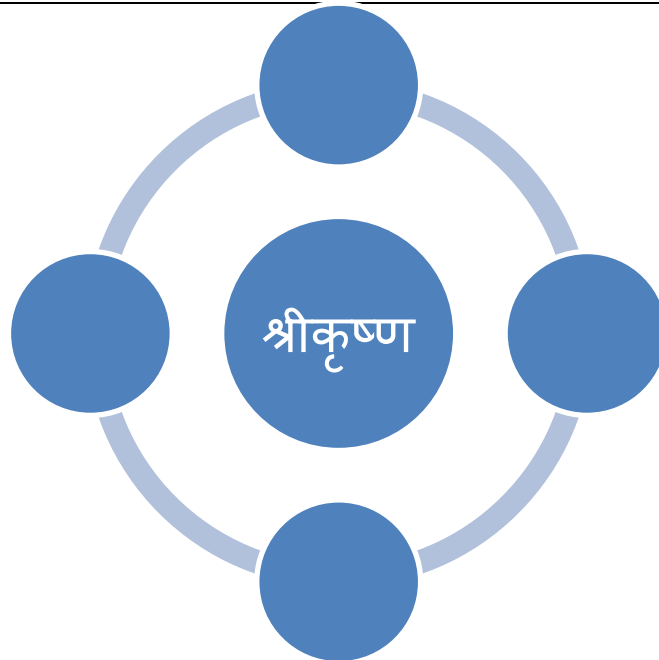
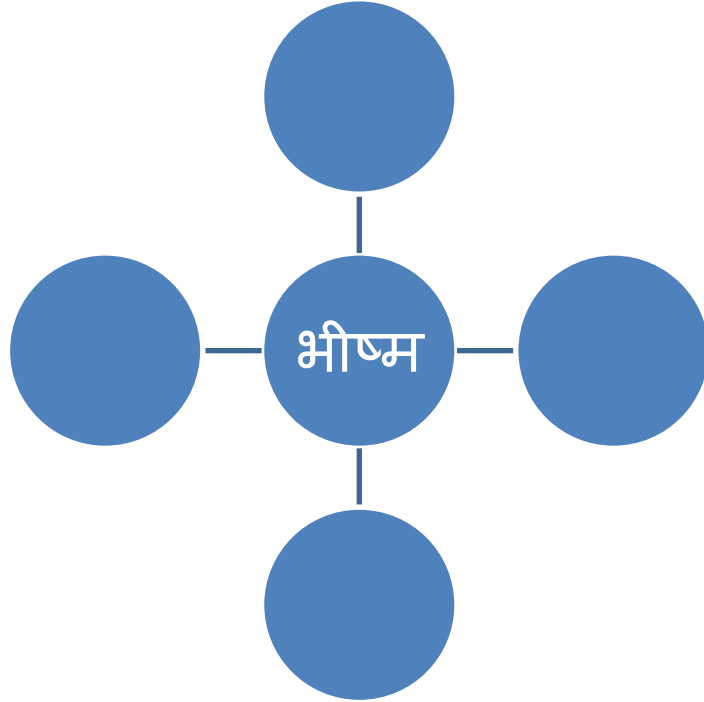
4. अभ्यास हेतु कार्यपत्र :- परिशिष्टसंख्या -31अ/4

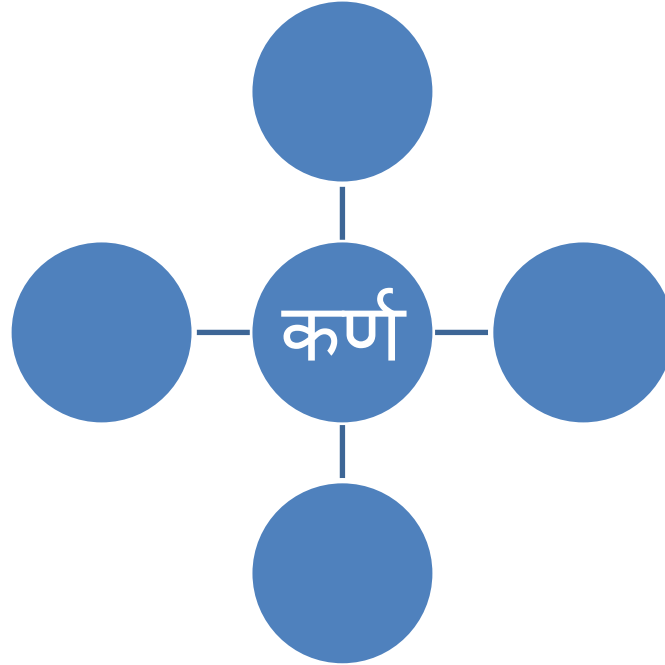
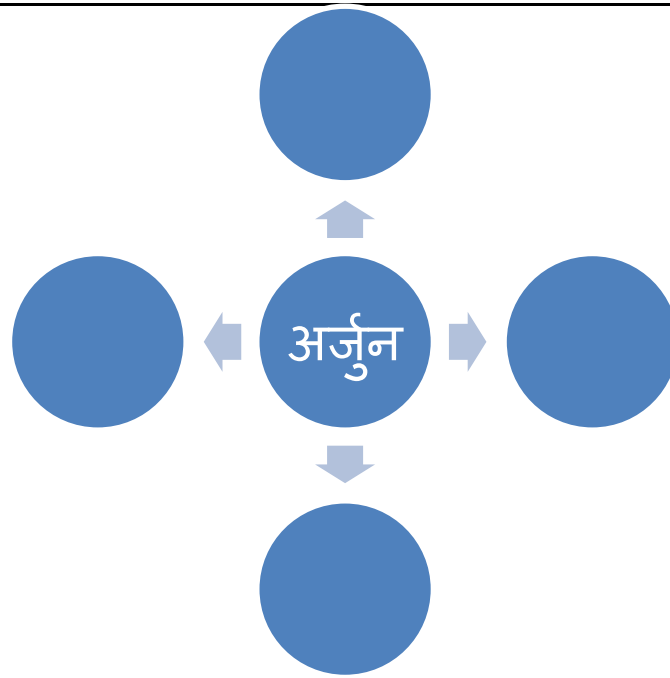
कार्यपत्र

पाठ: भीष्म शर-शय्या पर
विद्यार्थी का नाम:

गतिविधि : विशेषण-विशेष्य
अनुक्रमांक:

प्रश्न.1. 'विशेषण-विशेष्य' गतिविधि के पश्चात् नीचे दी गई आकृति में दिए गए व्यक्तियों के विशेषण लिखिए :-





प्रश्न.2. अपना मूल्यांकन करते हुए चार विशेषण अपने भी लिखिए ।

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.